न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) अलवर

अपील संख्या	रजिस्टर्ड नम्बर	प्रवेश तिथि	निर्णय दिनांक
16/17/2025	2025/167	05.02.2025	18.12.2025

1. सरकार जरिये तहसीलदार (भू0अ0) कठूमर, जिला अलवर राज०।

–प्रार्थी

बनाम

1. बृजलाल पुत्र श्री हरिकिशन जाति बलाई निवासी खेडा कल्याणपुर तहसील कठूमर जिला अलवर राज0।

–अप्रार्थी

अपील प्रार्थना पत्र जेर नियम 14 (4)
भू–आवंटन नियम, 1970

उपस्थितः–
01–श्री दीपक मीणा, राजकीय अभिभाषक –वकील प्रार्थी

–:निर्णयः–

तहसीलदार कठूमर ने जरिये राजकीय अभिभाषक यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–14 (4) भूमि आवंटन नियम, जिसके द्वारा अप्रार्थी के पक्ष में ग्राम खेडाकल्याणपुर तहसील कठूमर जिला अलवर की आराजी खसरा न0 579/610 रकबा 0.25 है0 भूमि का आंवटन किया गया, से व्यथित होकर प्रस्तुत की गई है। प्रार्थना पत्र 14 (4) दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थी को जरिये कोर्ट नोटिस तलब किया गया।

प्रार्थी की ओर से विद्वान राजकीय अभिभाषक ने अपनी बहस में प्रार्थना–पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया है कि अप्रार्थी बृजलाल पुत्र श्री हरिकिशन जाति बलाई निवासी खेडा कल्याणपुर तहसील कठूमर जिला अलवर के नाम ग्राम खेडाकल्याणपुर तहसील कठूमर जिला अलवर राज० में खसरा नम्बर साबिक 579 रकबा 3.06 बीघा भूमि कृषि हेतु आवंटन होकर जमाबन्दी सम्वत 2074–2077 से लगातार खाता संख्या 176 पर गैर खातेदारी दर्ज रिकॉर्ड है। जिसके हाल खसरा नम्बर 579/610 रकबा 0.25 है0 दर्ज है।

ग्राम खेडाकल्याणपुर के साबिक खसरा नम्बर 579 रकबा 3.06 बीघा दिंनाक 12.02.1992 को गैर सायल को आवंटित हुई थी। वर्तमान में जमाबन्दी सम्वत् 2074–2077 से लागातार खाता संख्या 176 पर गैर खातेदारी दर्ज रिर्कोड है। ग्राम खेडाकल्याणपुर की मिसल बंदोबस्त सम्वत् 2028 के अनुसार साबिक खसरा नम्बर 579 रकबा 3.06 बीघा के हाल खसरा नम्बर 579/610 रकबा 0.25 है0 बना है।

आवंटी द्वारा आवंटन से प्रथम दो वर्ष में सम्पूर्ण रकबे पर काश्त नहीं कर आवंटन शर्तो की पालना नहीं की गई है। आवंटी का मौके पर कब्जा नहीं है एवं आवंटन शर्तो की पालना नहीं की है। अतः आवंटन आदेश निरस्त किया जावें।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। अप्रार्थी अनुपस्थित। प्रार्थी की ओर से राजकीय अभिभाषक की बहस पर मनन किया। विद्वान राजकीय अभिभाषक ने तर्क दिया कि विवादित भूमि का आवंटन अप्रार्थी को कृषि कार्य हेतु किया गया था। परन्तु, पटवारी हल्का खेडाकल्याणपुर की मौका रिपोर्ट दिनांक 13.11.2024 से यह स्पष्ट है कि मौके पर अप्रार्थी का कोई कब्जा नहीं है और न ही उन्होंने भूमि पर कोई कृषि कार्य (काश्त) किया है। आवंटन की मूल शर्त "स्वयं काश्त" की पालना नहीं की जा रही है। पटवारी हल्का द्वारा प्रस्तुत मौका रिपोर्ट के अनुसार विवादित भूमि आराजी हाल खसरा नम्बर 579/610 रकबा 0.25 है0 वाके ग्राम खेडाकल्याणपुर मौके पर आवंटी/अप्रार्थी उक्त खसरे पर गैर–खातेदार का कब्जा नहीं है। राजस्थान भू–राजस्व (भूमि आवंटन) नियम, 1970 का मुख्य उद्देश्य भूमिहीन कृषकों को जीवनयापन हेतु भूमि देना है, बशर्ते वे उस पर स्वयं काश्त करें। उपरोक्त विवेचन के आधार पर, यह न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि अप्रार्थी ने आवंटन की शर्तों का उल्लंघन किया है। वे विवादित भूमि पर न तो स्वयं काश्त कर रहे हैं और न ही उनका मौके पर कब्जा पाया गया है। भूमि का उपयोग उस उद्देश्य (कृषि) के लिए नहीं किया जा रहा है जिसके लिए राज्य सरकार ने भूमि को आवंटित किया था। अतः प्रार्थी (तहसीलदार) का प्रार्थना पत्र स्वीकार किए जाने योग्य है।

18/12/25
अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम)
अलवर (राज0)

अतः प्रार्थी, तहसीलदार कठूमर द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत नियम 14(4) राजस्थान भू–राजस्व (कृषि उद्देश्यों के लिए भूमि आवंटन) नियम, 1970 स्वीकार किया जाता है और ग्राम खेडाकल्याणपुर, तहसील कठूमर जिला अलवर स्थित हाल आराजी हाल खसरा नम्बर 579/610 रकबा 0.25 है0 का आवंटन, जो अप्रार्थी (बृजलाल पुत्र हरिकिशन जाति बलाई सा. खेडाकल्याणपुर) के पक्ष में किया गया था, उसे तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है। उक्त भूमि को अप्रार्थी के नाम से खारिज कर पुनः सिवायचक (राजकीय) भूमि के रूप में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जावे। निर्णय की प्रति अधीनस्थ न्यायालय को पालनार्थ भिजवाई जावें। पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तकमील जमा लेख भण्डार हो।

निर्णय आज दिनांक 18.12.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(मुकेश कुमार कायथवाल)
अति0 जिला कलक्टर (प्रथम)
अलवर, (राज0)